**ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE**
**24, AKBAR ROAD, NEW DELHI**
**COMMUNICATION DEPARTMENT**

**Highlights of Press Briefing** **06 October, 2020**

**Shri Rahul Gandhi, Shri Randeep Singh Surjewala and Captain Amarinder Singh, addressed media at circuit house, Patiala, (Punjab) today**

**श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि** पत्रकार वार्ता में थोड़ा विलंब हुआ है, इसके लिए मैं क्षमा चाहूंगा। बहुत सारे किसानों के, हमारे दलित भाई-बहनों के प्रतिनिधी आज राहुल जी से, कैप्टन अमरिन्दर सिंह जी से मिलने आए थे। थोड़ा विलंब हो गया। सबसे पहले मैं पत्रकार वार्ता में हम सबके नेता माननीय राहुल गांधी जी, कैप्टन अमरिन्दर सिंह जी, सुनील जाखड़ जी, हरीश रावत जी और मंचासीन, सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करता हूं, पत्रकार और छायाकार बंधुओं का भी स्वागत करता हूं।

आज देश में एक विषम परिस्थिति है, जब खेत और खलिहान पर हमला बोला गया है। तीन काले कानूनों के खिलाफ श्री राहुल गांधी जी ने कांग्रेस पार्टी के और किसान के झंडे के नीचे एक 'खेती बचाओ' यात्रा की ऐतिहासिक शुरुआत की है। भट्टा पारसौल से आपने भूमि का उचित मुआवजा कानून को खत्म करने की मोदी सरकार की दुर्भावना के खिलाफ यही शुरुआत की थी और अब इन तीन काले कानूनों के खिलाफ शुरुआत की है। बगैर किसी विलंब के मैं आदरणीय राहुल गांधी जी से अनुरोध करुंगा कि वो आपसे अपनी बात कहेंगे।

**श्री राहुल गांधी ने कहा-** धन्यवाद रणदीप जी, अमरिन्द्र सिंह जी, जाखड़ जी, प्रनीत कौर जी, कांग्रेस पार्टी के हमारे सीनियर नेता हरीश रावत जी, प्रेस के हमारे मित्रों, आपका सबका यहाँ बहुत-बहुत स्वागत।

जैसे आप जानते हैं, हमारी ये यात्रा इन तीन काले कानूनों के खिलाफ है। ये जो कानून प्रधानमंत्री जी ने बनाए हैं, ये एग्जिस्टिंग स्ट्रक्चर है, फूड सिक्योरिटी का एग्जिस्टिंग स्ट्रक्चर है, उसको खत्म करने का, नष्ट करने का तरीका है। जैसे पहले भाईयों और बहनों नरेन्द्र मोदी जी ने नोटबंदी की, उसके बाद जीएसटी की और कोरोना के समय उन्होंने किसानों को, मजदूरों को, छोटे बिजनेसेस की कोई मदद नहीं की। उसी प्रकार ये भी किसानों पर आक्रमण है और उस आक्रमण को हम रोकेंगे, इन कानूनों के खिलाफ हम लड़ेंगे।

हरियाणा और पंजाब को इससे सबसे ज्यादा इफेक्ट होता है। अगर एमएसपी जाएगी, अगर ये एग्जिस्टिंग जो स्ट्रक्चर है, अगर ये टूटेगा तो पंजाब को भविष्य में रास्ता नहीं मिलेगा। तो हम एक प्रकार से पंजाब की, हरियाणा की, उत्तर प्रदेश की, राजस्थान के किसानों की और लोगों की रक्षा कर रहे हैं।

**एक प्रश्न पर कि आप बेटी बचाओ मिशन पर हाथरस जा रहे थे, हमने देखा कि पुलिस ने कैसे धक्का दिया, प्रियंका जी के साथ हाथापाई हुई, करीब 500 कांग्रेस वर्कर के खिलाफ एफआईआर हुई है, पत्रकारों के खिलाफ भी एफआईआर हुई है, योगी सरकार के इस रवैये पर क्या कहेंगे? श्री राहुल गांधी ने कहा कि** पूरे देश को धकेला जा रहा है, मारा जा रहा है, पीटा जा रहा है। मुझे थोड़ा सा धक्का लग गया, तो क्या बड़ी बात है, कोई फर्क नहीं पड़ता। it's not a big deal, हमारा काम है देश की जनता की रक्षा करना, देश के किसानों के साथ खड़ा होना हमारा काम है। ऐसी सरकार है, अगर हम खड़े होंगे तो धक्का लगेगा, लाठी लगेगी, ठीक। खालेंगे लाठी, धक्का खालेंगे, क्या है। जो धक्का, जो असली धक्का लगा, धक्का छोड़िए, जो अनइमेजिनेब्ल (unimaginable) उस परिवार को लगा। आप सोचिए, आपकी बेटी है (पत्रकार से पूछा) (पत्रकार ने जवाब देते हुए कहा- I have a son), you have a son, you don't have a daughter, so maybe you will not understand this. People, who have daughters, will understand it. You might not understand the rape aspect because that is something that Indian women have to deal with, you will certainly understand the murder aspect. Suppose someone killed your son and then when you ask for justice, they locked open your house and then DM came to your house and kicked you and threatened you and told you that if you open your mouth, the entire state of UP will sort you out and then told you - don't worry, all these protestors, they will go away, Rahul Gandhi will go away, but, we will be here. Now, you get a feeling, get a sense of how you would feel, that is how that family felt. That is why I want to tell, because I wanted that family to know that they are not alone.

मैं इसलिए वहाँ गया और मैंने परिवार से कहा है कि सिर्फ आपके लिए नहीं आया हूं, मैं आपकी बेटी के लिए आया हूं, आपके लिए आया हूं, मगर मैं देश में जो लाखों महिलाएं हैं, जिनके साथ रोज कोई ना कोई बदतमीजी होती है, हजारों महिलाएं हैं, जिनका रेप होता है, मैं उनके लिए भी यहाँ आया हूं। इंट्रस्टिंग बात ये है कि बच्ची का रेप होता है, मर्डर होता है, पूरा एडमिनिस्ट्रेशन परिवार पर आक्रमण करता है, पर देश के प्रधानमंत्री एक शब्द नहीं कहते हैं, इंट्रस्टिंग बात है।

**एक अन्य प्रश्न पर कि जो किसान के तीन अध्यादेशों के बारे में आप कहते हैं कि इनको केन्द्र सरकार ने बिना किसानों से सलाह मशवरा किए, बिना पॉलिटिक्ल पार्टी को कॉन्फिडेंस में लिए पास करवा दिया, अब क्योंकि पंजाब और हरियाणा में आंदोलन हो रहा है, लेकिन नरेन्द्र मोदी या उनकी सरकार के लोग हमेशा इसका मजाक उड़ाते हैं? श्री राहुल गांधी ने कहा कि** बात क्या है – पहले आपने स्मॉल एंड मीडियम बिजनेस पर आक्रमण किया, उनको आपने खत्म कर दिया, फिर आपने कोविड़ के समय अपने दो-तीन मित्रों की मदद की, लाखों-करोड़ रुपए आपने उनका माफ कर दिया। मजदूर घर पैदल जा रहे थे हजारों-किलोमीटर, पानी नहीं था, भोजन नहीं था, आपने एक शब्द नहीं बोला। उनको आपने वार्निंग ही नहीं दी, एक दिन वार्निंग नहीं दी। कमरे में बैठे आपने कहा लॉकडाउन होगा, लॉकडाउन कर दिया, मर गए वो, 100-200 लोग वैसे ही मर गए। आपने जो देश की रीड्ड की हड्डी है, जो इस देश को रोजगार देती है, स्मॉल एंड मीडियम बिजनेस को खत्म कर दिया है। ये देश, पर आप देखना, मैंने फरवरी में कोरोना की बात की थी, उन्होंने कहा, राहुल गांधी मजाक कर रहे हैं। अब देखिए, समझ किसको है, किसको नहीं है, एक व्यक्ति आपको कह रहा है, फरवरी में कह रहा है कि कोरोना से हिंदुस्तान की इकॉनोमी, हिंदुस्तान के लोगों पर बहुत

जबरदस्त चोट लगने वाली है और दूसरा व्यक्ति कह रहा है कि 22 दिन में लड़ाई जीती जाएगी। समझ किसको है, ये तो आपको जज करना है। मैं तो नहीं कहूंगा, एक व्यक्ति कहता है 22 दिन में लडाई खत्म हो जाएगी, उसको ये भी नहीं मालूम कि कोरोना है क्या, देश क्या है, कैसे चलता है। उस टाइम भी मेरा मजाक उड़ा रहे थे और अब मैं आपको बता रहा हूं और आप लिख कर ले लीजिए, आज भी मजाक उड़ाएगे, मगर 6 महीने बाद याद रखना जो मैं आज कह रहा हूं। दो चीजें आपसे कहूंगा – पहली बात, ये देश अपने युवाओं को रोजगार नहीं दे पाएगा। नरेन्द्र मोदी जी ने ये ढांचा तोड़ दिया है। अब नरेन्द्र मोदी जी खेती के ढांचे को तोडने जा रहे हैं। अगर नरेन्द्र मोदी जी ने खेती के ढांचे को तोड़ दिया, तो एक तरफ रोजगार नहीं मिलेगा, दूसरी तरफ भोजन नहीं मिलेगा। अभी ये मेरा मजाक उड़ाएगें, उड़ाने दो। 6 महीने बाद जैसे आज मैं फरवरी की बात कर रहा हूं, 6 महीने बाद आप देख लेना, ठीक है। ये सिस्टम है, ये फूड सिक्योरिटी का सिस्टम है, एमएसपी है, फूड डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम है, प्रोक्योरमेंट सिस्टम है, मंडियां हैं, ये एक प्रकार से किसान का फूड सिक्योरिटी का एक किला है, ये प्रोटैक्ट करता है। किले में कमियां हैं, मैं ये नहीं कह रहा हूं कमियां नहीं हैं, कम मंडियां हैं, करप्शन है, इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर होना चाहिए, मगर किले को आपने तोड़ दिया, तो किसान बच नहीं सकता। अब नरेन्द्र मोदी जी किले को क्यों तोड़ रहे हैं, नरेन्द्र मोदी जी ने जीएसटी क्यों की, नरेन्द्र मोदी जी ने नोटबंदी क्यों किया, नरेन्द्र मोदी जी ने कोरोना के समय गरीबों की मदद क्यों नहीं की? दो नाम दे सकता हूं – अंबानी और अडानी। ये ट्राएंग्लर ग्रुप है, अडानी, मोदी, अंबानी और नरेन्द्र मोदी जी का काम रास्ता साफ करने का है। उनको ऑर्डर दिया गया है कि स्मॉल एंड मीडियम बिजनेस को खत्म करो, किसानों को खत्म करो, मजदूरों को खत्म करो और हमारे लिए रास्ता खुलवाओ। अब मजाक कौन कर रहा है, ये आपको डिसाईड करना है।

ये फूड सिक्योरिटी सिस्टम पर असर पड़ेगा, जब आप अनाज खरीदते हैं मार्केट में, आप खरीदते हैं, जो आपको प्राईस मिलती है, वो प्राईस आपको इसलिए मिलती है क्योंकि ये स्ट्रक्चर है। जब गरीब व्यक्ति को राशन दिया जाता है, वो राशन इसलिए दिया जाता है क्योंकि ये स्ट्रक्चर है, अगर आप स्ट्रक्चर को ही तोड़ देंगे, तो आने वाले समय में आपसे भी पैसा लिया जाएगा। ये सिर्फ, देखिए, लोगों ने कहा कि हां, ठीक है। जीएसटी कर दी, तो हमारा क्या नुक्सान है, स्मॉल मीडियम बिजनेस को नुक्सान होगा, मगर जो कंज्यूमर है उसको क्या नुक्सान होगा, पर नुक्सान होगा, क्योंकि जब वो कोलेप्स करेगा, आप कोलेप्स करेंगे, तो हिंदुस्तान में सब चीजें कनेक्टेड हैं और अगर आप एक चीज को छुओगे, तो दूसरी चीज पर इफेक्ट पड़ेगा। मैं दूसरा उदाहरण देता हूं – नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि हिंदुस्तान की जमीन किसी ने नहीं ली, सुना होगा आपने। अपोजिशन लीडर्स को कहा हिंदुस्तान की जमीन किसी ने नहीं ली, 1200 स्केयर किलोमीटर चीन ने हमारी जमीन ले रखी है, कैसे ली, क्योंकि चीन को मालूम है कि ये व्यक्ति जो ऊपर बैठा है, ये सिर्फ अपनी इमेज की रक्षा करता है। ये अपनी इमेज बचाने के लिए 1200 स्केयर किलोमीटर जमीन हमें दे देगा। आप सिर हिला रहे हैं, पूरा देश जानता है। आर्मी के किसी भी सिपाही से, जनरल से पूछ लो आपको बता देगा कि नरेन्द्र मोदी जी ने अपनी इमेज बचाने के लिए देश को झूठ बोला। भारत माता की बात करते हैं, भारत माता का 1200 स्केयर किलोमीटर नरेन्द्र मोदी जी ने चीन को दे दिया, अपनी इमेज बचाने के लिए। रियालिटी है, मानो ना मानो। इसके बारे में नरेन्द्र मोदी जी क्या बोलते हैं? आप कभी बुलाईए उन्हें प्रेस वार्ता में, ऐसे खुल कर बुलाईए, बात कीजिए उनसे, वो आपसे इतना डरते क्यों हैं?

मैं बताता हूं क्यों डरते हैं आपसे, मैंने बात सोची। रीज़न एक ये है, चीन से भी वो इस कारण डरते हैं, आपसे भी इस कारण से डरते हैं, वो सोचते हैं चीन हमारी इमेज खराब कर देगा, वो सोचते हैं ये जर्नलिस्ट हमारी इमेज खराब कर देगा। नरेन्द्र मोदी जी को सिर्फ अपनी इमेज में इंट्रस्ट है। टनल में जाएंगे, अकेले जाएंगे, वेविंग हो जाएगी, मीडिया में पूरी मनोपली है, सोचते हैं कि मीडिया दिखाएगा मुझे टनल में, तो उनको सिर्फ अपनी इमेज से ओबसैशन (Obsession) है। जो भारत में हो रहा है, उससे कुछ लेना-देना नहीं। मेरी फीलिंग है कि शायद नरेन्द्र मोदी जी जो ये तीन कानून हैं, इनको समझते ही नहीं हैं। ये मेरी असेस्मेंट है।

**एक अन्य प्रश्न पर कि आप लगातार कह रहे हैं कि जीएसटी, लॉकडाउन और नोटबंदी ये सरकार का फैलियर है, बीजेपी का कहना है कि ये हमारी अचीवमेंट है? श्री राहुल गांधी ने कहा कि** अच्छा बताईए कि ये जो चीन को 1200 किलोमीटर दिया है, ये भी इनका अचीवमेंट है? ये बोल रही है कि ये उनका अचीवमेंट है, 1200 स्केयर किलोमीटर हमने चीन को दिया है। एक बात मुझे बताईए, मुझसे मत पूछिए, आप किसी भी स्मॉल बिजनेस वाले के पास चले जाईए, दुकानदार के पास चले जाईए और उससे पूछ लीजिए कि जीएसटी से आपका फायदा हुआ या नुक्सान? अचीवमेंट है या फैलियर है? फिर उससे पूछिए कि भईया एक बात बताना कि ये जो नोटबंदी है, उससे आपका फायदा हुआ, या नुकसान? छोटे दुकानदारों से बात की है, व्यापारियों से बात की है, किसानों से बात की है, वो तो कहते हैं कि ये इन कानूनों ने हमें नष्ट कर दिया, खत्म कर दिया। आप जाईए, थोड़ा यहाँ से बाहर जाईए, किसान से पूछिए, पंजाब के किसान से पूछिए, ट्रैक्टर लिए घूम रहा है, सडकें रोक रहा है, अगर अचीवमेंट था तो वो बाहर क्यों खड़ा है, पटाखे क्यों नहीं बजा रहा है?

**On a question that do you think that the general perception that, is that so that BJP is doing everything that they can just because the opposition is not united across many states and especially in Delhi and at the centre, Shri Rahul Gandhi said-** The opposition in any country functions within a framework. What is that framework? The framework is the press, the framework is the judicial system, the framework is our institutions that protect the voice of the people, this is the framework. That entire framework has been captured. The entire architecture of giving voice to the people of India has been captured and controlled by the BJP, you know that. In fact, you come from one of the newspapers that exhort a little bit of independence, that is not the case with most TV channels and newspapers.

So, if the entire architecture of institutional architecture is captured, then to say the opposition is weak and that's not really a correct statement. Give me a free press, give me institutions that are free and the Government will not last, I don't have that. I can prove, clear cut prove of, for an example the Rafale deal. I don't show it. So, at the certain level, frankly you are also not doing your job and if it's Okay for you to blame the opposition and say well you know the opposition is weak but, my friend you are also walking into slavery. You are also walking into a place, where you will become very uncomfortable. I am fighting for it, you in your own way, I am sure are also fighting with, but, it is a bigger thing that has happened. Today, I mean it is quite amazing, I

don't think there is any other country in the world today, wherein another country can occupy 12 hundred square kilometers of its land and the media says nothing. I don't think, there is any other country, I mean. I am thinking about it, I mean, even you know the weakest country, they will make a noise in India, they don't make a noise, the whole things captured.

I went to UP, girl is raped, neck is broken, administration is attacking the family, it is amazing. It is the result of a complete capture of the soul of this country and it is a forcible capture. If it was captured with affection, I would be the first to stand by but, it is a forcible scam that is what we are fighting and you will see, this fight will become more and more aggressive.

**एक अन्य प्रश्न पर कि आप उत्तर प्रदेश गए, आप पंजाब आए हैं, आप लॉकडाउन के दौरान टैक्सी ड्राइवर से बात कर रहे थे, आप जब भी कहीं जाते हैं किसी मुद्दे को उठाते हैं, बीजेपी की तरफ से एक वर्ड है पॉलीटिकल टूरिज्म, आपको ऐसा लगता है कि जब आप किसी मुद्दे को हाईलाइट करने की कोशिश करते हैं तो उससे डेविएट करने की कोशिश की जाती है, अब उत्तर प्रदेश सरकार ये कह रही है कि इंटरनेशनल साजिश है यूपी सरकार को बदनाम करने की जो कुछ हो रहा है वहाँ पर हाथरस में या यहाँ पर आपसे सवाल ये पूछा जा रहा था कि गद्दी लगी थी आप उस ट्रैक्टर पर बैठे थे, श्री राहुल गांधी ने कहा कि** नहीं, मगर ,ये सवाल कभी नहीं पूछा जाएगा कि नरेन्द्र मोदी जी ने 8 हजार करोड़ रुपए के दो जहाज क्यों खरीदे, one billion dollars. 8 thousand crores, उसमें कुशन छोड़िए, उसमें तो पलंग है पूरा, मतलब एक पलंग नहीं, 50 पलंग होंगे उसमें। ये नहीं कहते कि भईया, हमारा जो प्रधानमंत्री है, उसने 8 हजार करोड़ रुपए का जहाज खरीदा क्योंकि उसके मित्र ट्रंप के पास जहाज है 8 हजार करोड़ का तो उसे भी चाहिए, ये नहीं कहते। ये कहते हैं कि भईया, राहुल गांधी, अमरिंदर सिंह जी गए, ट्रैक्टर पर बैठे, किसी ने कुशन लगा दिया।

**इसी से संबंधित एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री राहुल गांधी ने कहा कि** देखो, मैं अपना काम करता हूँ, मैंने जैसे बोल, मीडिया कैप्चर्ड है, इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर कैप्चर्ड है, उनका उधर डोमिनेंस है, मगर किसान पर जो अत्याचार करते हैं, छोटे दुकानदारों पर, स्मॉल मीडियम बिजनेसेज पर जो आक्रमण करते हैं, युवाओं के भविष्य पर जो आक्रमण करते हैं उधर तो डॉमिनेंस नहीं है न, उधर मैं काम करता हूँ। अब कहीं न कहीं, हिंदुस्तान के युवा को दिखेगा कि भई, यहाँ पर नरेन्द्र मोदी जी टनल में वेविंग कर रहे हैं, मगर मुझे खाने को नहीं, किस बात की वेविंग कर रहे हैं वो टनल में जब मेरे को खाने को नहीं है, मेरे पास रोजगार नहीं है, मेरे को भविष्य नहीं दिख रहा तो कभी न कभी न कभी रियलिटी, सच्चाई तो बाहर आती है, मैं पेशैंट आदमी हूँ, रुक जाऊँगा थोड़ी देर।

**एक अन्य प्रश्न पर कि जैसे आपकी पार्टी बोलती है, आपके वर्कर बोलते हैं कि आप जब सत्ता में आएं, आपकी सरकार कांग्रेस बनती है, तो तीन बिल हैं जो आपने बोला है कि हम वो बंद कर देंगे, अगर वो बंद भी कर देते हैं, जो पोजीशन अभी है, पहले भी पोजीशन खराब है, आत्महत्याएं हो रही हैं, उसके लिए आपके पास प्लान क्या है, किसानी को बचाने के लिए, श्री राहुल गांधी ने कहा कि** हमारे अगर मैनिफेस्टो को आप पढ़ें और उसकी कॉपी मैं भेज सकता हूँ, उसमें क्लियरली लिखा है कि जो फूड सिक्योरिटी का सिस्टम है, उसको हम स्ट्रैंथन करेंगे। आज 40 किलोमीटर के रेडियस में मंडी होती है, हम 4 किलोमीटर के रेडियस में मंडी लगाएंगे। हम इस सिस्टम को, जो इसकी कमियाँ हैं, उसको सुधारने की कोशिश करेंगे, मगर हम इस सिस्टम को तोड़ेंगे नहीं, क्योंकि हम

जानते हैं कि हमने ये सिस्टम तोड़ दिया तो किसान गया। अब सिंपल सी बात है, नरेन्द्र मोदी जी को शायद समझ ही नहीं है, पता ही नहीं है, अगर आपने सिस्टम तोड़ दिया, अगर पूरा एग्रीकल्चर आपने सिस्टम ही तोड़ दिया तो किसान की प्रोटैक्शन कहाँ रही? तो हमारी जो फिलोसॉफी थी, कि हम जानते हैं, कि मंडियों में कमी है, हम जानते हैं कि वहाँ पर करप्शन है, लेकिन हम इस सिस्टम को रीफॉर्म करना चाहते हैं, वो कॉम्पलीकेटेड मामला है, आसान मामला नहीं है। नरेन्द्र मोदी जी जो सच्चा चैलेंज है उसको स्वीकार नहीं करना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं, भईया, इसको तो मैं उड़ा देता हूँ। अब ब्लैक मनी, it is a difficult challenge. नरेन्द्र मोदी जी उस चैलेंज को एक्सेप्ट नहीं करना चाहते, कहते हैं नोटबंदी कर दी, खत्म हो गया चैलेंज, तो बहाना है।

अमरिंदर सिंह जी अभी बैठे हैं, अभी हमने मीटिंग की अंदर, पंजाब के युवाओं को रोजगार दिलवाएंगे, सिंपल मामला नहीं है। कैची फ्रेजेस से रिजॉल्व नहीं होगा, काफी कॉम्पलीकेटेड बात अंदर चल रही थी, ऐसे करेंगे, ये करना है, वो करना है। तो हिंदुस्तान को ये रियलिटी एक्सेप्ट करनी पड़ेगी, सच्चाई एक्सेप्ट करनी पड़ेगी।

**On another question that you have been mentioning in your speeches that you will save the federal structure, you are fighting this for saving the federal structure. The Punjabi Suba movement in Punjab was also for strengthening the federal structure and it was crushed and partly it is blamed on Congress Party also, so why Punjab and Punjabi should trust you on this?, Shri Rahul Gandhi said-** Punjabi should see my actions and I can tell you, if you look at my political career, you can see my actions. Don't look at my words. I came to Punjab and I have learnt a lot from the Punjabi people, in fact, if you want to ask me, you have given me more than I have given you. So, I have in a sense, owe a debt to you. कर्ज है।

So, in my mind, I believe that the people of this state, they have a particular spirit that spirit has taught me quite a lot. I will tell you a small story, I remember and this has never left my system, in my mind ever, it will never leave. I remember when in 1977, my grandmother lost an election, there was no one in my house, no body, but, there was sikh in my house. She was protected by sikhs in 1977, I will never forget that. So, I have in my mind, it is a strange thing, but, there is a debt that I feel, I owe the people of Punjab, it is strange in the similar way, I feel I owe debt to the people of Tamil Nadu, I don't know why, but, I have that feeling inside so that is the first thing.

Second thing is, look at my actions, land acquisition bill, I fought, I got beaten up, I got abused. Niyamgiri, I fought, I got beaten up, I got abused. MGNREGA, abused. Farm bill, I am standing in front of the farm bill. I am standing with the people of Punjab and saying- look, I have come here, I am standing with you, I understand this is a risk for your future. So, you look at my actions, you will see that I am a person who instinctively, I feel when I see some injustice is being done, I feel for that person, instinctively. If you see one strong man beating a weak man, automatically, I am on the side of the weak.

This may be of feeling; in fact this is why I get beaten up so much in politics. It might be feeling that every time I am also thinking myself, why, but, I have that inside. If feel that injustice is being done to Punjab, I will be standing on Punjab side, no matter what. If I feel injustice is being done to the Dalit Girl in UP, I will go there, I will get 2-3 lathis, no problem, that is my nature. That is what I have been taught, I don't know any other way and frankly, I can see right now, that my political path would have been much easier, If I didn't have this. अगर ये मेरे अंदर नहीं होता, मगर वो है, अब उसे मैं केसे निकालूँ, that's why people of Punjab should trust me.

**एक अन्य प्रश्न पर कि जो किसानों के ये तीन अध्यादेश आए हैं, इसमें 15 करोड़ किसान ही नहीं, 75 करोड़ पीडीएस लाभार्थी भी प्रभावित होंगे, दूसरा मोदी जी ये कहते हैं कि ये जो अध्यादेश आ रहे हैं, इससे किसानों को फायदा होगा, मंडी नहीं खत्म होगी, तो फिर दिक्कत क्या है, श्री राहुल गांधी ने कहा कि** अगर किसानों को फायदा होता तो नरेन्द्र मोदी जी ने पार्लियामेंट हाउस में डिबेट क्यों नहीं कराई। उधर वो भी बोलते, हम भी बोलते। अगर फायदा होता तो कोरोना के समय, जब किसान, जब वो जानते हैं कि किसान बाहर नहीं आ पाएगा, हम हरियाणा जा रहे हैं आज, सरकार कह रही है कोरोना का समय है, जब वो जानते हैं कि किसान रेजिस्ट नहीं कर पाएगा, तो फिर उन्होंने ये बिल क्यों पास किया? ऐसे प्रेस कांफ्रेंस में बैठकर क्यों नहीं बोलते नरेन्द्र मोदी जी कि ये किसानों के हक में है, पंजाब में आकर क्यों नहीं बोलते, पंजाब के किसानों के साथ खड़े होकर क्यों नहीं बोलते? पहला सवाल।

जैसे मैंने कहा ये सिस्टम है। ये सिस्टम हिंदुस्तान का फूड सिक्योरिटी का सिस्टम है। इससे सिर्फ किसानों को नुकसान नहीं होगा, इससे कंज्यूमर का भी नुकसान होगा। किसान की जमीन जाएगी, उसको सही दाम नहीं मिलेगा। नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं, मंडी की कोई ज़रुरत नहीं है, हजारों मंडी हैं हिंदुस्तान में। मंडियों में वर्कर्स काम करते हैं, स्मॉल ट्रेडर्स हैं, किसान जाता है, लोडर्स होते हैं, लाखों में होंगे हिंदुस्तान में उनका क्या होगा? अंबानी जी- अडानी जी ऑटोमेट कर देंगे, मशीनें लगा देंगे। ये जो लाखों लोग हैं, जो एग्रीकल्चर सिस्टम में काम करते हैं इनका क्या होगा, ये सब गुलाम बनेंगे। तो ये रियलिटी है।

अब एक बात आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझसे इतने सवाल पूछे, पर इनको (पंजाब के मुख्यमंत्री) तो आपने स्कॉट फ्री छोड़ दिया तो इनसे भी 2-3 सवाल पूछ लीजिए।

**एक अन्य प्रश्न पर कि नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि पिछली सरकारों में इच्छाशक्ति की कमी थी, इसलिए उन्होंने तीन जो बिल थे, लागू कर दिए, जब टनल पर गए थे, तो उसके बाद, क्योंकि पिछले सरकार इनको लागू नहीं कर पाई थी, और लगातार ही सवाल खड़े हो रहे हैं, चाहे स्टेट का मैनिफेस्टो हो, इलेक्शन मैनिफेस्टो हो, चाहे 2019 में आपका मैनिफेस्टो था कि एपीएमसी एक्ट को आपने बड़े जोर-शोर से आपने वहाँ पर उठाया था, तो क्या लगता है कि आने वाले समय में इसको पूरी तरह डेमोलिश कर दिया जाएगा, या अभी भी आप मैनिफेस्टो के ऊपर खडे हुए हो, श्री राहुल गांधी ने कहा कि** हमारे मैनिफेस्टो में क्लियर था कि हम एग्रीकल्चरल सिस्टम को डेवलप करेंगे। 7 प्वाइंट्स थे शायद उसमें, अगर आप प्वाइंट्स देखें, तो उसमें हमने कहा था कि हम फार्मर्स मार्केट डेवलप करेंगे। उसमें हमने कहा था कि हर 4 किलोमीटिर में हम मंडी लगाएंगे। उसमें हमने

कहा था कि इंफ्रास्ट्रक्चर फार्म टू फार्म इंफ्रास्ट्रक्चर्स बनाएंगे। हमने ये कहीं नहीं कहा था कि हम पूरे के पूरे फूड सिक्योरिटी सिस्टम को नष्ट कर देंगे। नरेन्द्र मोदी जी ने इन तीन कानूनों के साथ पूरे के पूरे फूड सिक्योरिटी सिस्टम को नष्ट कर दिया है, इसलिए पंजाब का किसान खड़ा है, इसलिए हम यहाँ पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं।

**एक अन्य प्रश्न पर कि क्या इसको लेकर कभी सेशन बुला रहे हैं, श्री अमरिंदर सिंह ने कहा कि** हाँ, स्पेशल सेशन और साथ ही लीगल, जो भी करना पड़ेगा, वो हम करेंगे।

**श्री सुरजेवाला ने जोड़ा कि** और जो आदरणीय राहुल गांधी जी ने कहा अगर आप 2019 का कांग्रेस का घोषणापत्र देखेंगे, तो उसका बिंदु नंबर-7, क्लॉज नंबर-12 अगर पढ़ेंगे, तो वहां पर फार्मर्स मार्केट का पूरा खाका दिया गया है।

**On another question that the Akalis are asking you five questions in Punjab, that what were you doing abroad when the farm bills were passed in the Parliament, you were not even here for the farm bill, Shri Rahul Gandhi said-** My mother have gone for medical checkup and my sister couldn't go with her because some members of our staff have Covid, so that is why, I was with my mother, helping her through medical checkup, I am her son also after all and I have to look after my mother.

The other thing, is yes, of course, which the Akalis wouldn't tell you, is that they have worked with the BJP. बीजेपी के साथ उन्होंने सालों काम किया है और जब ये तीन बिल पास हो रहे थे, उनकी मदद अकाली दल कर रहे थे। तो वो तो पूरा पंजाब का किसान जानता है।

**On another question that Yogi Adityanath, the CM of UP has said that the Hathras rape was an international conspiracy, what do you think about that, Shri Rahul Gandhi said-** I mean, Yogi Ji is entitled to his opinion. He is more than welcome to imagine whatever he wants to imagine, if I saw there a lovely girl was molested, neck was broken, her family was threatened the people who did it, no actions were taken against them. Mr. Yogi sees it as a international conspiracy, well, that is fine, that is his prerogative, what, I saw, was a tragedy, the Chief Minister of UP should have had the decency to say, this is a tragedy and I will look into it and I will protect the family of this girl.

**Sd/-**
**(Dr. Vineet Punia)**
**Secretary**
**Communication Deptt,**
**AICC**